गौर गरिमा और शैक्षिक समृद्धि के संकल्प पथ पर अग्रसर विश्वविद्यालय

2024

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

वर्ष 2024 में अकादमिक प्रगति, शैक्षणिक गतिविधियों एवं उपलब्धियों से समृद्ध रहा विश्वविद्यालय : डिजिटलाइज़ेशन एवं नवाचार की नई पहचान

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के लिए वर्ष 2024 उपलब्धियों से भरा रहा. अकादमिक क्षेत्र में प्रगति करते हुए विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा, पत्रकारिता, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, संगीत, प्रदर्शनकारी कला, अर्थशास्त्र सहित कई विषयों में नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत हुई. इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया. 25 राज्यों के विद्यार्थी इस समय विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हैं. पिछले वर्ष की तुलना में नियमित शिक्षकों और नियमित कर्मचारियों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है. पिछले वर्ष की तुलना में नियमित शिक्षकों की संख्या में लगभग 20 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी हुई है. जहाँ विद्यार्थियों की सुविधाओं में बढ़ोत्तरी करते हुए कई नवीन भवन निर्मित हुए वहीं विद्यार्थियों और शिक्षकों ने शोध में नए कीर्तिमान स्थापित किये हैं. शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने वर्ष भर कई क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की हैं और कई क्षेत्रों में पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त किये हैं. विश्वविद्यालय ने कई रैंकिंग एजेंसियों के सर्वे में अच्छी रैंकिंग हासिल की है. विश्वविद्यालय में इस वर्ष पहली बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव का आयोजन किया गया जो ऐतिहासिक आयोजन रहा. इस युवा उत्सव में विभिन्न विश्वविद्यालयों के लगभग 1000 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की. गतिविधियों, उपलब्धियों और उत्कृष्ट प्रदर्शन की लम्बी श्रृंखला है जिनको रेखांकित किया जा सकता है.

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने वर्ष 2024 की उपलब्धियों को साझा करते हुए कहा कि हम डॉ. गौर द्वारा स्थापित ज्ञान के मंदिर में नित नए नवाचारी कार्य कर रहे हैं. एक तरफ जहां अकादमिक भवनों, प्रयोगशालाओं और अन्य ढांचागत सुविधाओं का विकास हो रहा है वहीं शैक्षणिक, गैर-शैक्षणिक पदों पर नियुक्तियां भी जारी हैं. आने वाले वर्ष में हम इसी तरह सभी आयामों पर और अधिक ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे और सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करेंगे. विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, अधिकारी, विद्यार्थी लगातार इस दिशा में कार्य कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि सागर शहर एवं बुंदेलखंड अंचल के गणमान्य नागरिकों का भी अपार सहयोग और स्नेह विश्वविद्यालय को लगातार मिल रहा है. निश्चित ही हम राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय मानक के संस्थान बनेंगे.

ई सुविधाओं का विस्तार, कौशल दक्षता के लिए नवाचारी पहल

विश्वविद्यालय में आईटी उपकरणों के सुरक्षित उपयोग से संबंधित सुविधाओं का विस्तार किया गया. शिक्षा मंत्रालय की प्रेरणा से विश्वविद्यालय ने समर्थ पोर्टल के समस्त 44 मॉड्यूल लागू कर विश्वविद्यालय को डिजिटल कर समस्त केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए प्रेरणास्रोत बना। साथ ही केंद्रीय पुस्तकालय में पुस्तकों की आगत-निर्गत प्रक्रिया को डिजिटल रूप में शुरू किया गया. विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों की डिग्री ऑनलाइन जारी करते हुए ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की और इसके लिए विश्वविद्यालय की कुलपति को भारत सरकार के शिक्षा मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया. विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के तकनीकी कौशल एवं दक्षता हेतु माइक्रोस्कोपी कार्यशाला, पर्यावरण और ग्रीन टेक्नोलॉजी पर केंद्रित संगोष्ठी, विज्ञान प्रदर्शनी, फोटोग्राफी कार्यशाला, 'वेस्ट टू बेस्ट' कार्यक्रम के तहत अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएं बनाने जैसे नवाचारी कार्यक्रम आयोजित किये गये. विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की दिशा में 'फिट इण्डिया'

कुलपति को सम्मानित करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. धर्मेंद्र प्रधान

अभियान के तहत साप्ताहिक कार्यक्रम चलाये गये जिसमें विविध खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं. दिव्यांग विद्यार्थियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालय में दिव्यांगजन अधिगम संसाधन केंद्र की शुरुआत की गई. विश्वविद्यालय में पहली बार समर स्किल पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये जिसमें तकनीक और कौशल से संबंधित अल्पकालिक पाठ्यक्रम चलाये गये.

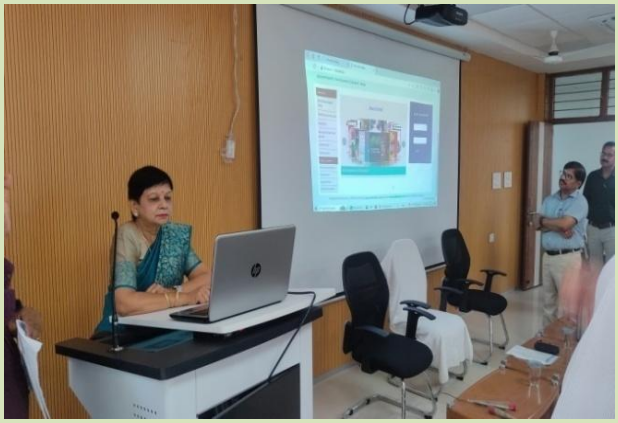

विश्वविद्यालय में ई-लाइब्रेरी का उद्घाटन कार्यक्रम

समर स्किल कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन

दिव्यांग जन अधिगम संसाधन केंद्र का उद्घाटन

दिव्यांगजन अधिगम संसाधन केंद्र

ब्रेल प्रिंटर का उपयोग सीखते दिव्यांग छात्र

वाई-फाई सर्वर एवं ई- स्विचेज का उदघाटन करतीं कुलपति

आधारभूत संरचनाओं का विकास

विश्वविद्यालय में अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ बने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, अपराधशास्त्र एवं न्यायिक विज्ञान, ललित कला एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग के नवीन भवनों का उपयोग प्रारम्भ हो गया है. पर्यावरण विज्ञान विभाग, संचार एवं पत्रकारिता विभाग, स्वदेशी अध्ययन केंद्र, विज्ञान की एकीकृत प्रयोगशाला, फार्मेसी विभाग के नवीन भवन बनकर उपयोग के लिए तैयार हैं. अंग्रेजी एवं यूरोपीय विभाग का विस्तारित भवन शीघ्र ही बनकर तैयार होने जा रहा है. नवनिर्मित सरस्वती बालिका छात्रावास और आर्यभट्ट बालक छात्रावास विद्यार्थियों के लिए उपयोग में लाया जा रहा है.

सरस्वती कन्या छात्रावास का उद्घाटन कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य शिक्षा मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, कुलाधिपति एवं कुलपति

आर्यभट्ट बालक छात्रावास का उद्घाटन कार्यक्रम

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कर-कमलों द्वारा विश्वविद्यालय के रंगनाथन भवन, अन्नपूर्णा भवन एवं कौटिल्य भवन का ऑनलाइन लोकार्पण

अकादमिक विकास एवं शोध साझेदारी की दिशा में प्रयास

पूरे वर्ष विश्वविद्यालय के अकादमिक विभागों में विशेष व्याख्यानों, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. भारत सरकार द्वारा निर्देशित विभिन्न महत्त्वपूर्ण दिवसों, जननायकों पर केंद्रित कार्यक्रमों, जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों, विभिन्न महापुरुषों की जयंती एवं कई ज्ञानवर्धक साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. अग्निवीरों के शैक्षणिक उन्नयन की दिशा में विश्वविद्यालय ने तत्परता से कार्य करते हुए 491अग्निवीरों को प्रवेश देकर उनके परिणाम जारी किये. स्पेन, नेपाल, श्रीलंका जैसे देशों के विश्वविद्यालयों और उत्कृष्ट संस्थानों के साथ अकादमिक एवं शोध साझेदारी कार्यक्रमों की संभावनाओं को क्रियान्वित किया जा रहा है. साथ ही देश के महत्त्वपूर्ण अकादमिक एवं शोध संस्थाओं के साथ अकादमिक साझेदारी की गई जिससे विश्वविद्यालय की शोध गुणवत्ता मानक बन सके.

भारतीय सेना के अग्निवीरों को सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूर्ण करने के उपरान्त सर्टिफिकेट प्रदान करतीं कुलपति

स्पेन के अकादमिक भ्रमण के दौरान विवि की कुलपति

श्रीलंका में लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान ग्रहण करतीं विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

नेपाल के अकादमिक भ्रमण के दौरान विवि की कुलपति

नाइपर अहमदाबाद के साथ अकादमिक समझौता कार्यक्रम

केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमांचल प्रदेश के साथ अकादमिक समझौता कार्यक्रम

गौर संग्रहालय की स्थापना

डॉ. हरीसिंह गौर को भारत के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' दिलाने की मुहिम में भी विश्वविद्यालय ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हुए डॉ. गौर को भारत रत्न प्रदान किये जाने हेतु आवश्यक कदम उठाये. विश्वविद्यालय के वैली कैंपस में 'कला, संस्कृति और शौर्य' पर केंद्रित 'गौर संग्रहालय' की स्थापना की गई जिसमें संग्रहालय में डॉ. गौर से सम्बंधित साहित्य एवं उनसे जुड़ी सामग्री, उनके जीवन से जुड़ी दुर्लभ जानकारियाँ एवं सामग्री, जनजातीय संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी एवं सामग्री की प्रदर्शनी, बुंदेलखंड और मध्य प्रदेश के वीर सेनानियों के पोर्ट्रेट एवं जानकारियाँ, मध्य प्रदेश की जैव विविधता का परिचय देने संबंधी पोर्ट्रेट, मध्य प्रदेश से सम्बंधित भूगर्भशास्त्रीय जानकारियाँ एवं सामग्री आदि का प्रदर्शन किया जा रहा है.

विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर जयंती के अवसर पर गौर संग्रहालय का उद्घाटन करते मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, म. प्र. के कैबिनेट मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं विधायक श्री शैलेंद्र जैन

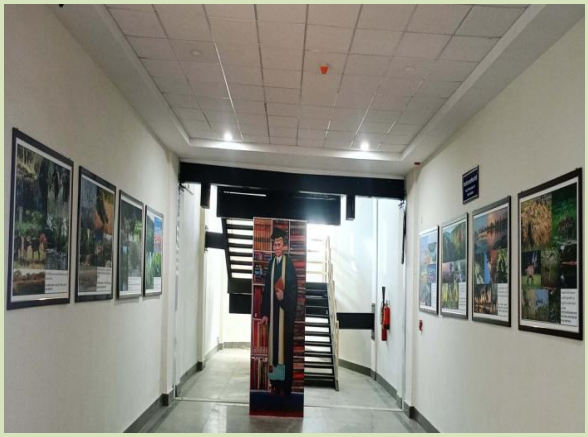

गौर संग्रहालय के विभिन्न प्रभागों की एक झलक

जागरूकता कार्यक्रम और सृजनात्मक अभिव्यक्तियों में भागीदारी

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में आवश्यक पहल करते हुए 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया तो वहीं विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर 'गौर-गौरैया आवासीय कॉलोनी' प्रकल्प का सृजन किया गया. स्वच्छता अभियान, नशे से मुक्ति अभियान, सतर्कता जागरूकता अभियान जैसे अभियान भी संचालित किये गये. सांस्कृतिक परिषद् के तत्त्वावधान में न केवल सृजनात्मक अभिव्यक्तियों का प्रदर्शन हुआ बल्कि विद्यार्थियों ने कई नाटकों और नुक्कड़ नाटकों का भी प्रदर्शन किया.

‘एक पेड़ माँ के नाम’ अभियान

मतदाता जागरूकता अभियान

विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर गौर गौरैया आवासीय कॉलोनी प्रकल्प का सृजन

विवि के समीपस्थ गाँवों में भ्रष्टाचार के विरुद्ध जन जागरूकता अभियान कार्यक्रम

नशामुक्ति अभियान कार्यक्रम

‘स्वच्छता ही सेवा’ शपथ कार्यक्रम

शिक्षा एवं स्वास्थ्य की दिशा में सामुदायिक भागीदारी, महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन

सामुदायिक कार्यक्रमों के तहत विश्वविद्यालय ने आस-पास के गाँवों में शिक्षा जागरूकता, स्वास्थ्य जागरूकता, मतदान जागरूकता जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया. विश्वविद्यालय 'मेरा पहला वोट देश के नाम' जैसे लोकप्रिय अभियान का महत्त्वपूर्ण केंद्र बना. विश्वविद्यालय में पर्यटन की संभावनाओं का विस्तार करते हुए कई स्पॉट्स चिन्हित कर उन्हें विकसित किया जा रहा है. विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विभाग द्वारा वर्ष भर कई स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया गया जिसमें सामान्य बीमारियों से लेकर कैंसर जैसे रोगों का परीक्षण किया गया. इसी क्रम में 'घुमंतू' कार्यक्रम की शुरुआत की गई है. महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महिला क्लब द्वारा लोकप्रिय गौर मेला का आयोजन किया गया.

स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक

महिला उद्यमिता के प्रोत्साहन हेतु आयोजित 'गौर मेला' का उद्घाटन कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र में शिविर का आयोजन

गौर मेला में लगे विभिन्न स्टॉल

स्वच्छता कार्यक्रम के दौरान सागर शहर के परेड मंदिर में श्रमदान

स्वास्थ्य सर्वेक्षण प्रविधि के प्रशिक्षण कार्यशाला का पोस्टर विमोचन

मातृभाषा एवं राजभाषा के प्रयोग एवं संस्कृति संरक्षण की दिशा में सृजनात्मक पहल

मातृभाषा के अधिकाधिक उपयोग को दृष्टिगत रखते हुए एक तरफ जहां मातृभाषा में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया वहीं विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने 14 भारतीय भाषाओं में ज्ञान-विज्ञान की पुस्तकें लिखीं. इसी क्रम में भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रस्तुतियां दीं. हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया. भारतीय ज्ञान परंपरा को आत्मसात करते हुए परंपरागत वेश-भूषा में विश्वविद्यालय का 32वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया.

मातृभाषा में हस्ताक्षर अभियान

विश्वविद्यालय का 32 वां दीक्षांत समारोह

दीक्षांत समारोह में उपस्थित छात्र

हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत चित्र कला प्रतियोगिता का आयोजन

विद्यार्थियों द्वारा चित्र कला प्रदर्शनी

37 वें युवा उत्सव के विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी छात्र

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भागीदारी, सम्मान एवं उपलब्धियां

विश्वविद्यालय ने न केवल अपने परिसर में कार्यक्रमों का आयोजन किया बल्कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पटल पर भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित की. विश्वविद्यालय की कुलपति ने यूजीसी, शिक्षा मंत्रालय, भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली, श्रीलंका और स्पेन के विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भागीदारी की एवं विद्वत व्याख्यान दिए. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को एनसीसी के कर्नल कमांडेंट पद से विभूषित किया गया. श्रीलंका के केलानिया विश्वविद्यालय में नदी जल जीवों पर किये गये शोध कार्यों के लिए उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित भी किया गया. बीडब्ल्यू एजुकेशन द्वारा जारी सूची में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को शिक्षा में सबसे प्रभावशाली महिलाओं में स्थान मिला है। 20वें वर्ल्ड पीस कांग्रेस में उन्हें महिला शांति शिक्षा नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित किया गया. विश्वविद्यालय के पांच शिक्षकों को विश्व के दो प्रतिशत सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिकों की सूची में स्थान मिला. विश्वविद्यालय के कई शिक्षकों को उनके लेखन, अकादमिक योगदान, शोध के लिए सम्मानित किया गया.

एनसीसी कर्नल कमांडेंट पद से विभूषित कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

शिक्षा जगत की प्रभावशाली महिला नेतृत्वकर्ताओं की सूची में विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

20 वें वर्ल्ड पीस कांग्रेस में महिला शांति शिक्षा नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय की शिक्षिका का सम्मान कार्यक्रम

प्रो. सुरेश प्रसाद व्यास | प्रो. संजय के जैन | प्रो. नवीन कानगो | प्रो. ए. पी. मिश्रा | डॉ. वंदना विनायक

विश्व के दो प्रतिशत सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिकों की सूची में शामिल विश्वविद्यालय के शिक्षक

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में सम्मानजनक स्थान

विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग को एडुरैंक की रैंकिंग में शीर्ष दस में शामिल किया गया. शिमागो इंस्टीट्यूशंस ऑफ रैंकिंग्स 2024 द्वारा किये गए सर्वेक्षण में बायोकेमेस्ट्री, जेनेटिक्स और मॉलिक्यूलर बायोलॉजी रिसर्च में विश्वविद्यालय की देश में 32वीं रैंकिंग है और नवाचारी शोध में देश भर के संस्थानों में टॉप 40 में शामिल हुआ है. भारत की ख्यातिलब्ध अंग्रेजी पत्रिका 'द वीक' और प्रसिद्ध शोध संस्था 'हंसा रिसर्च' के साझा सर्वे में मल्टीडिसिप्लिनरी स्टडीज एंड रिसर्च में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय वेस्ट जोन में शीर्ष तीन में, देश के केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में छठी रैंक, आल इण्डिया में टॉप 30 में शामिल हुआ. एडुरैंक संस्था द्वारा अलग-अलग अध्ययन क्षेत्रों के अंतर्गत उपविषयों में होने वाले शोध एवं प्रकाशन को मानक मानते हुए की गई रैंकिंग में बायोलॉजी अनुशासन में फार्माकोलॉजी से संबंधित अध्ययन एवं शोध में विश्वविद्यालय ने टॉप 10 में जगह बनाई है. बायोटेक्नोलॉजी विषय में देश भर में 17 वीं रैंकिंग है. इसी तरह बायोमेडिकल इंजीनियरिंग से संबंधित अध्ययन एवं शोध में देश भर में 25वीं और नैनो टेक्नोलॉजी 33वीं रैंकिंग मिली है.

यूजीसी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करती हुई विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

एआईयू के अधिवेशन में विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विद्यार्थियों को मिले राष्ट्रीय एवं अंतरर्राष्ट्रीय फेलोशिप, पदक एवं पुरस्कार

एक तरफ जहाँ दर्शनशास्त्र विभाग के शोधार्थियों को भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् की पोस्ट डॉक्टोरल फैलोशिप एवं जूनियर रिसर्च फैलोशिप मिली वहीं प्राणिशास्त्र विभाग के शोधार्थी को जर्मनी की प्रतिष्ठित अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फेलोशिप भी मिली. जापान के क्योटो विश्वविद्यालय द्वारा रसायन शास्त्र विभाग की शोधार्थी का चयन पोस्ट डॉक्टोरल के लिए हुआ. प्रौढ़ शिक्षा विभाग की शोधार्थी को नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय द्वारा समावेशी शिक्षा पर शोध-पत्र प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया. विधि विभाग के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित मूट कोर्ट प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त किये. पंजाब में आयोजित अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में सात विधाओं में विद्यार्थियों ने पदक प्राप्त किये. विवि में आयोजित युवा उत्सव में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई विधाओं में पुरस्कार जीते. फार्मेसी, रसायन विज्ञान, जैव विज्ञान जैसे विषयों के शोधार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित संगोष्ठियों में बेस्ट पेपर एवं बेस्ट पोस्टर के लिए कई पुरस्कार मिले. भूगर्भशास्त्र विभाग के विद्यार्थी बड़ी संख्या में यूपीएससी द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर वैज्ञानिक एवं अन्य तकनीकी पदों पर नियुक्त हुए. कंप्यूटर साइंस विभाग, वाणिज्य विभाग, प्रबंधन अध्ययन विभाग जैसे विषयों के विद्यार्थियों ने कैम्पस प्लेसमेंट के माध्यम से रोजगार प्राप्त किये. मानविकी, सामाजिक विज्ञान एवं शिक्षा शास्त्र जैसे विषयों के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को काफी संख्या में देश के विभिन्न

विश्वविद्यालयों, विभिन्न राज्यों के राजकीय महाविद्यालयों, विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में शिक्षक के रूप में रोजगार प्राप्त हुए हैं. इस वर्ष 108 विद्यार्थियों ने यूजीसी नेट की परीक्षा में सफलता पाई है और 20 से अधिक छात्रों को जूनियर रिसर्च फेलोशिप भी प्रदान की गई है.

यूजीसी परीक्षा में जेआरएफ एवं नेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं के साथ विश्वविद्यालय की कुलपति

सम्मान: यूजीसी अध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय की कुलपति

विवि के शिक्षक प्रो. बी. के. श्रीवास्तव का सम्मान कार्यक्रम

मूट कोर्ट प्रतियोगिता में विजयी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करती विश्वविद्यालय की कुलपति

राष्ट्रीय वनमाली कथा सम्मान प्राप्त करते विवि के शिक्षक डॉ. आशुतोष

डॉक्टर गौर जयंती एवं गौर उत्सव कार्यक्रम

विश्वविद्यालय में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

विश्वविद्यालय में योग दिवस, संगोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन

भगवान श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम

नई चेतना के तहत जेंडर समानता पर आयोजित कार्यक्रम

परमार्थ दर्शन तथा शैव दर्शन पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम

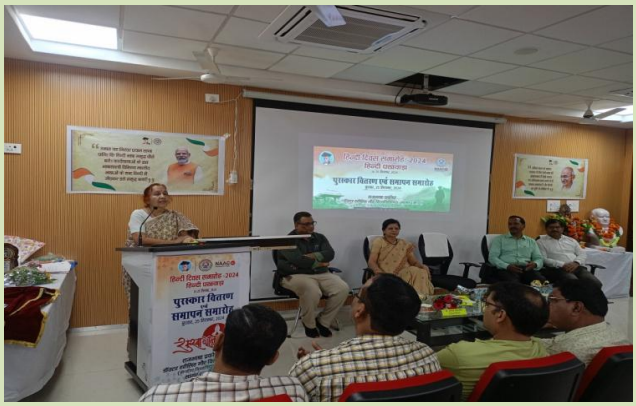

हिंदी पखवाड़ा के तहत आयोजित विशेष व्याख्यान कार्यक्रम

शास्त्रीय संगीत पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी

हाई रेज्यूलूशन माइक्रोस्कोपी पर आयोजित शिक्षक विकास कार्यक्रम

मकर संक्रांति पर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

नवनियुक्त कर्मचारियों द्वारा सम्मान कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर पुस्तक वाचन कार्यक्रम

एनएसएस के सवयंसेवकों को बधाई देतीं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

युवा उत्सव में विजयी प्रतिभागियों को बधाई देतीं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

भारतीय भाषा उत्सव कार्यक्रम में डॉ. गौर के चित्र का अनावरण

भौतिकशास्त्र विभाग के पुरा छात्र सम्मेलन में संबोधित करती हुई कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

महाराजा छत्रसाल विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता

कन्या छात्रावास की छात्राओं द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के दीक्षारम्भ कार्यक्रम को संबोधित करती हुई कुलपति

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर फल एवं मिष्ठान्न वितरण कार्यक्रम

भारतीय भाषा उत्सव में विभिन्न भाषा-संस्कृतियों को प्रदर्शित करती रंगोली का अवलोकन करती हुई कुलपति

महिला क्लब द्वारा कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता का सम्मान

जागरूकता कार्यक्रम के तहत नुक्कड़ नाटक

मानवशास्त्र विभाग में स्थापित संग्रहालय का निरीक्षण करतीं कुलपति

शिक्षाशास्त्र विभाग में आयोजित 'बेस्ट टू वेस्ट' कार्यशाला की प्रदर्शनी

सत्यम कला एवं संस्कृति संग्रहालय द्वारा डॉ. गौर से सम्बंधित स्मृति सामग्री की भेंट

युवा उत्सव में विजयी विद्यार्थियों को बधाई देतीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, जनसंपर्क अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)